Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to develop National Highway No. 123 (507) from Herbertpur to Barkot as an all-weather road.

श्रीमती माला राज्यलक्ष्मी शाह (टिहरी गढ़वाल): मैं केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री का ध्यान उत्तराखंड में अपने संसदीय क्षेत्र की ओर दिलाना चाहता हूँ। चार-धाम राजमार्ग विकास परियोजना के अंतर्गत पहला धाम यमुनोत्री को जोड़ने वाले दिल्ली-यमुनौत्री राष्ट्रीय राजमार्ग (हरबर्टपुर से बड़कोट) को इस परियोजना से वंचित रखा गया है। तीर्थ यात्री अपनी यात्रा की शुरूआत मां यमुना (यमुनौत्री) के दर्शन से करते है। उक्त धाम की महत्ता को देखते हुए 1962 में यमुनौत्री धाम को मोटर मार्ग से जोड़ने हेतु दिल्ली-यमुनौत्री (यमुना रोड़) के नाम से मोटर मार्ग निर्माण को स्वीकृति प्रदान की गई। निर्मित होने के बाद 1965 से 2002 तक दिल्ली-यमुनौत्री मार्ग संख्या-94 राज्य मार्ग (स्टेट हाईवे) के नाम से संचालित होती रही है, लेकिन कागजी भूल के कारण उक्त मार्ग का सम्पूर्ण भाग न तो चार-धाम मार्ग में सम्मिलित हुआ और न राष्ट्रीय राज मार्ग की स्वीकृति मिली। भारत सरकार ने वर्ष 2002 में उक्त मार्ग का कुछ भाग हरबर्टपुर से बड़कोट तक 111 कि.मी. राष्ट्रीय राजमार्ग 123(507) के नाम से घोषित किया तथा यह मार्ग भी चार धाम यात्रा मार्ग से वंचित रखा गया है। मेरा आग्रह है कि जनहित से रा0 रा0 मार्ग 123 (507) को दिल्ली–यमुनौत्री के नाम से विस्तार संशोधित स्वीकृति करें एवं हरबर्टपुर से बड़कोट बैण्ड तक 111 कि.मी. के भाग को ऑल वेदर रोड़ में सम्मिलित करने की कृपा करें।